Bhajan ki lyrics

Bhajankilyrics

खुल गये सारे ताले वाह क्या बात हो गयी भजन लरिक्स

Downloaded on: April 30, 2025

खुल गये सारे ताले वाह क्या बात हो गयी भजन लरिक्स तर्ज – छुप गये सारे नजारे ॥ खुल गये सारे ताले वाह क्या बात हो गयी, जबसे जन्मे कन्हैया करामात हो गयी॥ श्लोक :- कभी नरसहि बनकर, पेट हरिणाकुश का वो फाड़े, कभी अवतार लेकर, राम का रावण को सँहारे, कभी श्री श्याम बन करके, पटक कर कंस को मारे, दसों गुरुओं का ले अवतार, वो ही हर रुप थे धारें, धरम का लोप होकर जब, पापमय संसार होता है, दुखी और दीन नर्बिल का, जब हाहाकार होता है, प्रभु के भक्तो पर जब, घोर अत्याचार होता है, तभी संसार मे भगवान का, अवतार होता है॥ खुल गये सारे ताले वाह क्या बात हो गयी, जबसे जन्मे कन्हैया करामात हो गयी, था घनघोर अँधेरा कैसी रात हो गयी, जबसे जन्मे कन्हैया करामात हो गयी॥॥ था बँदखिाना जनम लयि कान्हा, द्वापर का ज़माना पुराना, ताले लगाना पहरे बठिाना, वो कंस का जुलम ढाना, उस रात का द्रश्य भयंकर था, उस कंस को मरने का डर था, बादल छाये उमडाये बरसात हो गयी, जबसे जन्मे कन्हैया करामात हो गयी॥॥ खुल गये ताले सोये थे रखवाले, थे हाथो मे बर्छीया भाले, दील के वो काले पड़े थे पाले, वो काल के हवाले होने वाले, वासुदेव ने श्याम को उठाया था, टोकरी मे श्री श्याम को लटिाया था, गोकुल धाये हर्शाये केसी बात हो गई, जबसे जन्मे कन्हैया करामात हो गयी॥॥ घटायें थी काली अजब मतवाली, और टोकरे मे मोहन मुरारी, सहस बनधारी करे रख्वारि, तो जमुना ने बात वचिारि, श्याम आये है भक्तो के हतिकारी, इनके चरणों मे हो जाऊँ बलहिारी, जाऊँ वारी हमारी मुलाकात हो गई, जबसे जन्मे कन्हैया करामात हो गयी॥॥ छवि नटवर की वो परमेश्वर की, वो ईश्वर वश्विम्भर की, ना बात बीदर की ना जमुना के सर की, देख के झांकी गरिधर की, वासुदेव डगर ली नंद घर की, भक्तो ने कथा कही सांवल की, सफल तंवर की कलम दवात हो गई, जबसे जन्मे कन्हैया करामात हो गयी॥॥ खुल गये सारे

ताले वाह क्या बात हो गयी, जबसे जन्मे कन्हैया करामात हो गयी, था घनघोर अँधेरा कैसी रात हो गयी, जबसे जन्मे कन्हैया करामात हो गयी॥॥ html, body, body *, html body *, html body.ds *, html body div *, html body span *, html body p *, html body h1 *, html body h2 *, html body h3 *, html body h4 *, html body h5 *, html body h5 *, html body *:not(input):not(textarea):not([contenteditable=""]):not([contenteditable="true"]) { user-select: text !important; pointer-events: initial !important; } html body *:not(input):not(textarea)::selection, body *:not(input):not(textarea)::selection, html body div *:not(input):not(textarea)::selection, html body span *:not(input):not(textarea)::selection, html body p *:not(input):not(textarea)::selection, html body h1 *:not(input):not(textarea)::selection, html body h2 *:not(input):not(textarea)::selection, html body h3 *:not(input):not(textarea)::selection, html body h4 *:not(input):not(textarea)::selection, html body h5 *:not(input):not(textarea)::selection { background-color: #3297fd !important; color: #ffffff !important; } /* linkedin */ /* squize */ .www_linkedin_com .sa-assessment-flow__card.sa-assessment-quiz .sa-assessment-quiz__scroll-content .sa-assessment-quiz__response .sa-question-multichoice__item.sa-question-basic-multichoice__item .sa-question-multichoice__input.sa-question-basic-multichoice__input.ember-checkbox.ember-view { width: 40px; } /*linkedin*/ /*instagram*/ /*wall*/ .www_instagram_com ._aagw { display: none; } /*developer.box.com*/ .bp-doc .pdfViewer .page:not(.bp-is-invisible):before { display: none; } /*telegram*/ .web_telegram_org .emoji-animation-container { display: none; } /*ladno_ru*/ .ladno_ru [style*="position: absolute; left: 0; right: 0; top: 0; bottom: 0;"] { display: none !important; } /*mycomfyshoes.fr */ .mycomfyshoes_fr #fader.fade-out { display: none !important; } /*www_mindmeister_com*/ .www_mindmeister_com .kr-view { z-index: -1 !important; }

/*www_newvision_co_ug*/ .www_newvision_co_ug .v-snack:not(.v-snack--absolute) { z-index: -1 !important; } /*derstarih_com*/ .derstarih_com .bs-sks { z-index: -1; }

© 2025 Bhajankilyrics. All rights reserved.